-: प्रियदर्शिनी: -

समाचार अनुभाग

2008-09

समाचार अनुभाग

इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय टोहाना, क्षेत्र का एकमात्र विद्यालय है जोकि उच्च शिक्षा के प्रति निरंतर बढ़ती हुई मांग को बखूबी पूरा कर रहा है । महाविद्यालय की स्थापना जुलाई, 1970 में हुई । शीघ्र ही 14 जनवरी 1980 को हरियाणा सरकार ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया । आस-पास 30 किलोमीटर के क्षेत्र में अन्य कोई महाविद्यालय न होने के कारण इस महाविद्यालय का विशेष महत्व है । यहॉ कला एवं वाणिज्य संकायों में स्नातक स्तर तक छात्र एवं छात्राओं की सहशिक्षा का समुचित प्रबंध है । इस वर्ष से बी. सी. ए. व बी. आई. एम. प्रथम वर्ष की कक्षाओं का भी सफल संचालन किया गया। महाविद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि समाज सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों और खेल कूद के क्षेत्र में भी आगे है। विश्वविद्यालय मैरिट लिस्ट के प्रथम दस स्थानों में कई सालों से कॉलेज के विद्यार्थी अपना स्थान बनाते आए हैं । गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारी बॉक्सिंग व कब्बड्डी टीम ने विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया है ।

परीक्षा परिणामः -

सत्र 2007-08 में परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्साहवर्धक रहे। मई, 2008 की परीक्षाओं की योग्यता सूची में महाविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त उपलब्धियां इस प्रकार रही :-

Sr.No.	NAME	CLASS	UNI.ROLL.NO.	MARKS.OBT.	POSITION
1	SHILPA THAKRAL	B.COM III	164004	80.77	5th
2	INSHU RANI	B.COM II	183009	81.08	3rd
3	SHILPA RANI	B.COM II	183010	80.8	7th
4	ASTHA JAIN	B.COM II	183012	79.75	10th

सत्र 2007-08 में महाविद्यालय के वार्षिक परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय से कहीं आगे रहे । जिसका वर्णन इस प्रकार हैः -

Sr.No.	Class	Uni.Result in %age	College Result in %age	Difference in %age
1	B.A.I	39.22	78.71	+39.49
2	B.A.II	71.21	95	+32.79
3	B.A.III	63.02	92.8	+29.78
4	B.COM I	49.65	91.66	+42.01
5	B.COM II	78.28	97.75	+19.47
6	B.COM III	88.75	100	+11.25

महाविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2008-09 का आरंभः -

शैक्षणिक सत्र 2008-09 का शुभारंभ 16 जुलाई को प्राचार्य श्री के. सी. गोयल के अभिभाषण से आरंभ हुआ । महाविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए हर वर्ष बढ़ती संख्या दर्शाती है कि महाविद्यालय क्षेत्र मे कितना लोकप्रिय है । इस सत्र में 1610 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, जिसमें 1014 छात्र एवं 596 छात्राऍ हैं । वाणिज्य संकाय में 305, बी. सी. ए. में 40, बी. आई. एम. में 41 तथा कला संकाय में 1224 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं । महाविद्यालय में अनुसूचित जाति के 286 तथा पिछड़े वर्ग के 308 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं ।

महाविद्यालय परिवारः -

महाविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2008-09 का शुभारंभ प्राचार्य श्री के. सी. गोयल के द्वारा किया गया जोकि 31 अक्तूबर 2008 को सेवानिवृत हुए। उनके बाद डॉ0 सुभाष मानसा ने कार्यभार संभाला । जनवरी 7, 2009 से डा0 नित्यानंद वत्स जी प्राचार्य के रूप मे कार्यरत हैं । महाविद्यालय में इस समय 20 प्राध्यापक कार्यरत हैं, जिनमें 3 महिलाएँ तथा 17 पुरुष प्राध्यापक है । प्राध्यापकों में 5 पीएच0डी0 तथा 9 एम0फिल0 हैं । इस सत्र में श्री बलजीत सिंह प्राध्यापक अर्थशास्त्र महाविद्यालय से स्थानांत्रित होकर गए हैं । प्राध्यापकों के अतिरिक्त एक टाइपराइटिंग इंस्ट्क्टर कार्यरत है । इनके अतिरिक्त 5 अतिथि प्राध्यापकों को नियुक्त किया गया है । इस समय कार्यालय में दो सहायक अधीक्षक व तीन लिपिक हैं । डॉ0 यशपाल सिंह, प्राध्यापक संस्कृत, महाविद्यालय के बर्सर हैं ।

पुस्तकालयः -

महाविद्यालय में पुस्तकालय भवन आकर्षण का केन्द्र बना रहता है । पुस्तकालय में इस समय एक रेस्टोरर तथा दो पुस्तकालय सहायक कार्यरत हैं । वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष के पद रिक्त हैं । पुस्तकालय में इस समय 16666 जनरल बुक्स हैं तथा बुक बैंक में 529 पुस्तके उपलब्ध हैं । विद्यार्थियों के लिए 16 दैनिक समाचार पत्र तथा 24 साप्ताहिक व मासिक पत्रिकाएँ मगवाई जाती हैं । पुस्तकालय कम्प्यूट्रीकृत है एवं साफटवेयर की भी व्यवस्था की गई है । इस पुस्तकालय में जापानी तकनीक की एक फोटोस्टेट मशीन भी उपलब्ध है ।

एजुसेटः -

महाविद्यालय में एजुसेट के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है जो हरियाणा के आधुनिक शिक्षा पद्धति की ओर बढ़ते हुए कदमों का प्रमाण है । श्री महेन्द्रपाल प्राध्यापक राजनीति विज्ञान एजुसेट का कार्यभार सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं ।

महाविद्यालय की वैबसाईटः -

आज का युग सूचना एवं प्रौद्योगिकी का युग है । इस बात को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने अपनी वैबसाईट तैयार की है । श्री महेन्द्रपाल प्राध्यापक राजनीति विज्ञान व श्री सुरेश कुमार प्राध्यापक अंग्रेजी वैबसाईट का कार्यभार संभाले हुए हैं।

शैक्षणिक भ्रमणः -

इस वर्ष विद्यार्थियों के तीन दल शैक्षणिक भ्रमण पर गए । महाविद्यालय की 50-50 छात्राओं के दो दल श्री दलबीर सिंह प्राध्यापक, इतिहास व श्री सुरेश कुमार प्राध्यापक, अंग्रेजी के नेतृत्व में 7-8 फरवरी 2009 को ब्यास, अमृतसर व बाघा बार्डर गया । जबकि 50 छात्राओं का एक दल महिला प्रकोष्ठ की तरफ से महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ0 मीरा नन्दा व डॉ0 विकास आनन्द के नेतृत्व में चण्डीगढ़ गया ।

प्लेसमैन्ट सैलः -

महाविद्यालय में प्लेसमैन्ट सैल की स्थापना की गई है , जिसके प्रभारी प्राध्यापक श्री दलबीर सिंह हैं । प्लेसमैन्ट सैल के तत्वावधान में स्काई अकैडमी, रोहतक के कार्यकारियों की एक टीम महाविद्यालय प्रांगण में आई और विद्यार्थियों को Insurance sector, Hospitality, health and call centres आदि में व्याप्त रोजगार संबंधी संभावनाओं

एवं अवसरों की जानकारी दी । सैल के तत्वावधान में प्म्स्ञ्ञै पर एक व्याख्यान भी करवाया गया ।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ: -

महाविद्यालय में सत्र 2008-09 में श्री बलजीत सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया । विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित प्रतिभा-खोज प्रतियोगिता 11 व 12 सितम्बर 2008 को आयोजित की गई जिसमें चित्रकला, भाषण, गायन, कविता-पाठ, नृत्य, एकल अभिनय, मीमिकी आदि में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया । सी. एम. के महाविद्यालय सिरसा में 21 अक्तूबर से 23 अक्तूबर 2008 तक आयोजित क्षेत्रीय युवा समारोह में अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया ।श्री बलजीत के स्थानान्त्रण के बाद श्री दलबीर सिंह सांस्कृतिक गतिविधियों का कार्यभार संभाले हुए हैं। अंतर महाविद्यालय कविता-पाठ एवं गीत भजन प्रतियोगिता का आयोजन 10 फरवरी 2009 को किया गया, जिसमें पॉच महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया ।

गृह परीक्षाएँ: -

गृह परीक्षा गतिविधयाँ श्री आर. एल. सरीन की अध्यक्षता में पूरे सत्र में सुचारु रुप से जारी रहीं । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र तथा उच्चतर शिक्षा आयुक्त हरियाणा के आदेशानुसार सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के दो मासिक टैस्ट लिए गए तथा दिसम्बर माह में प्रत्येक विषय की पूर्ण परीक्षा ली गई ।

छात्रवृतियाँ: -

विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिए हरियाणा सरकार के आदेशानुसार 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बी. ए. प्रथम, द्वितीय तथा बी. कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को लगातार मैरिट के आधार पर छात्रवृति प्रदान की जाती है। दूसरी स्कीम के अनुसार बी. ए. फाईनल एवं बी. कॉम. फाइनल उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रति संकाय प्रथम तीन सामान्य वर्ग, प्रथम तीन अनुसूचित जाति और प्रथम तीन छात्राओं को कमशः 5000 रुपए, 4000 रुपए व 3000 रुपए की राशि छात्रवृति के रुप में प्रदान की जाती हैं । राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली द्वारा संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दो लाख बीस हजार की राशि छात्रवृति के लिए प्रदान की गई ।

हरियाणा स्टेट मेरिटोरियस इन्सैन्टिव स्कीम के तहत कॉलेज के 17 विद्यार्थियों को तीन हजार रुपए प्रति विद्यार्थी दिए गए । मेरिटोरियस इन्सैन्टिव स्कीम के अनुसार 10+2 परीक्षा के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दस छात्राओं को 3000 रुपए प्रति छात्रा प्रदान किए गए।

विषय परिषद्: -

इस सत्र में कला तथा वाणिज्य संकाय की विषय समितियाँ निरन्तर सकिय रहीं। इन परिषदों के द्वारा विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना उत्पन्न करने के लिए कविता-पाठ, भाषण, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध लेखन, पत्र-वाचन एवं पोस्टर व ग्रॉफ मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

राष्ट्रीय सेवा योजनाः -

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयॉ कार्यरत हैं । छात्रों की इकाई के प्रभारी श्री कश्मीर सिंह व छात्राओं की इकाई की प्रभारी श्रीमती पवन कुमारी हैं । वर्तमान सत्र में छात्रों की इकाई द्वारा 21 दिसंबर, 2008 से 27 दिसंबर, 2008 तक गॉव मादुआना में सात दिवसीय एन. एस. एस. शिविर लगाया गया । छात्राओं की इकाई द्वारा 22 दिसंबर, 2008 से 28 दिसंबर, 2008 तक गीता कॉलोनी में सात दिवसीय एन. एस. एस. शिविर लगाया गया । स्वयं सेवकों ने लोगों को सफाई, अनपढ़ता, एड्स एवं भ्रूण हत्या के बारे में जागरूक किया । स्वयं सेवकों में राजेन्द्र सिंह व निशा रानी को बैस्ट वॉलन्टियर चुना गया तथा विक्रम सिंह व रजनी को बैस्ट कैम्पर चुना गया । दोनों इकाइयों द्वारा सद्भावना दिवस, झण्डा दिवस एवं सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया ।

अनुसूचित जाति पिछड़े वर्ग एवं अन्य कमजोर वर्ग के कल्याण हेतु योजनाएँः -

हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति के प्रत्येक विद्यार्थी को हजार रूपए प्रति मास और दो हजार रूपए पुस्तकों के लिए दिए जाते हैं तथा इस प्रकर इस सत्र में अनुसूचित जाति के प्रत्येक विद्यार्थी को पोस्ट मैट्रिक स्टाईफंड के साथ-साथ 14,000 रूपए अतिरिक्त प्रदान किए गए । पिछडे वर्ग के विद्यार्थियों को भी पोस्ट मैट्रिक स्टाईफंड दिया गया । बी.पी. एल. परिवार से संबंधित 101 विद्यार्थियों की सूची सुविधा प्रदान हेतु शिक्षा आयुक्त हरियाणा पंचकूला को भेजी गई । हरियाणा सरकार के आदेशानुसार हारट्रॉन के द्वारा महाविद्यालय के टी. डी. सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग व पुस्तकें प्रदान की गई, जिससे महाविद्यालय के 117 विद्यार्थी लाभान्वित हुए । हरियाणा सरकार के आदेशानुसार हारट्रॉन के द्वारा महाविद्यालय के टी. डी. सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग व पुस्तकें प्रदान की गई, जिससे महाविद्यालय के 117 विद्यार्थी लाभान्वित हुए ।

महिला प्रकोष्ठः -

महिला प्रकोष्ठ गत वर्षो की तरह इस वर्ष भी कॉलेज की सभी गतिविधियों का केन्द्र रहा । प्राकेष्ठ की संयोजिका डॉ0 मीरा नन्दा के कुशल नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को उनके अधिकार, कर्तव्य व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का भरसक प्रयास किया गया । वर्तमान स्तर में प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इसके अतिरिक्त मंदबुद्धि, बाल विश्व दिवस व कानूनी शिक्षा दिवस व सडक सुरक्षा दिवस मनाए गए । प्रकोष्ठ के तत्वावधान में मेहंदी रचाओ, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, ग्रीटिंग कार्ड बनाओ, मीठे व्यंजन, केक बनाओ, शीतल पेय बनाओ तथा सलाद काट थाली सजाओ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । प्रकोष्ठ के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जयंती व नेताजी सुभाषचंद्र बोस मनाई गई । 14 मार्च, 2009 को महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि समाज सेविका श्रीतमी विनोद वत्स द्वारा पुरस्कृत किया गया।

व्यक्तिगत उपलब्धियाँ :-

शिक्षा क्षेत्र में नई तकनीक नए कोर्स तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढावा देने हेतू सरकार नवीन योजनाओं को प्रारंभ करती रहती है । इसी कडी में प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए सेमिनार, ओरिएन्टेशन तथा रिफ्रेशर कोर्सिज का आयोजन किया जाता है । हमारे विद्यालय के कुछ प्राध्यापकों ने इसका भरपूर लाभ उठाया । श्री सूरजमल प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र ने उच्चतर शिक्षा द्वारा प्रायोजित राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय जीन्द से रिफ्रेशर कोर्स किया । श्री सुरेश कुमार प्राध्यापक, अंग्रेजी ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से रिफैशर कोर्स किया । डॉ0 उमेश मोहन प्राध्यापक वाणिज्य, की देखरेख में पॉंच शोधार्थियों ने एम.फिल.की उपाधि प्राप्त की । श्री रमेश कुमार बेनवाल ने बी. पी. एस. महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां से सॉफ्ट स्किल कोर्स किया । श्रीमती सुनीता कथूरिया व श्री जोगा सिंह ने उच्चतर शिक्षा आयुक्त कार्यालय द्वारा आयोजित सॉफ्ट स्किल कोर्स किया । श्री के. के. कथूरिया, प्राध्यापक, अर्थशास्त्रा ने डी. ए. वी. गर्ल्ज कॉलेज यमुनानगर में हुए दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया । डॉ0 मीरा नन्दा को दो वर्ष के लिए कु.वि. कुरुक्षेत्रा के यू.जी.बोर्ड ऑफ स्टडीज का सदस्य नियुक्त किया गया । इसके अतिरिक्त उन्होंने डॉ0 बी.आर.अम्बेडकर स्टडीज सेंटर, कुरुक्षेत्रा के निर्देशक डॉ0 आर.बी.लांग्यान से अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा एच.ए.यू., हिसार में हरियाणा एड्स कन्ट्रोल सोसाईटी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय वर्कशॉप में भाग लिया।

वार्षिक खेल कूद :-

वर्तमान सत्रा 2008-09 में हमारे कॉलेज की बाक्सिंग, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिन्टन, चैस तथा टेबल टेनिस की टीमों ने कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा की प्रतियोगिताओं में भाग लिया । बाक्सिंग व हरियाणा स्टाइल कबड्डी में महाविद्यालय के खिलाडियों ने विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप जीती तथा नैशनल स्टाइल कबड्डी में विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया । क्रिकेट टीम ¼महिला) व बैडमिन्टन की टीम ने के. यू. चैम्पियनशिप के जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा लडकों की क्रिकेट टीम ने व टेबिल टेनिस टीम ने जोन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रा शैलेन्द्र ने अन्तर्विश्वविद्यालय नैशनल स्टाईल कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया । सत्यवान सिंह व पलविन्द्र सिंह ने अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्रा का प्रतिनिधित्व किया । महाविद्यालय में 11 व 12 फरवरी 2009 को आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में मनोज बी. ए. द्वितीय वर्ष व सुमन बी.ए. प्रथम ने बेस्ट एथलीट होने का गौरव प्राप्त किया।

रक्त-दान शिविर :-

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें 75 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया । सामान्य हस्पताल टोहाना में आयोजित रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के 20 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया । पिछले दो सत्रों के दौरान 19 बार रक्त-दान शिविरों का आयोजन करने पर प्रदेश बाल कल्याण परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती आशा हुड्डा ने इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय को पुरस्कृत किया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ मीरा नन्दा ने पुरस्कार ग्रहण किया।

दीक्षान्त एवं वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोहः -

महाविद्यालय में 2008-09 का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 17 मार्च, 2009 को आयोजित किया गया जिसमें माननीय श्री जे.एस अहलावत,उपायुक्त फतेहाबाद, मुख्यातिथि के रूप में पधारे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जगनिवास जी उपमण्डलाधीश ने की। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2007-08 के कला एवं वाणिज्य संकाय के 316 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई । 5 विद्यार्थियों को रोल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया और 140 विद्यार्थियों को पुरूस्कार दिए गए ।

श्रद्धांजलीः -

जीवन-मरण प्रकृति का शाश्वत नियम है । वर्तमान सत्र में महाविद्यालय परिवार निम्नलिखित सदस्यों के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख एवं संवेदना प्रकट करता है। प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी वर्ग व विद्यार्थियों ने शोक सभाएं करके परम पिता परमेश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति व शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थनाएँ कीः -

1. 26 नवम्बर, 2008 को मुम्बई बम धमाकों में सुरक्षा बलों, पुलिस जवानों व निर्दोष व्यक्तियों के संहार पर ।
2. स्वतंत्राता सेनानी व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के पिता श्री रणबीर सिंह हुड्डा के निधन पर ।